

मलिक पुं. (अर.) 1. राजा, सरदार 2. पंजाब की एक हिंदू उपजाति का नाम 3. मुसलमानों में भी एक वर्ग मलिक है।

मलिन वि. (तत्.) 1. मल से युक्त, मैला, गंदा, अपवित्र 2. मटमैला, धुँएँ या मिट्टी के रंग का 3. धुँएँ, कीचड़ या धूल से सना हुआ 4. पापी, दुष्ट, अधम, नीच, कपटभरा 5. दोषयुक्त, कलुषित 6. कांतिहीन, तेजहीन, उदास, फीका 7. कम उज्ज्वल।

मलिनता स्त्री. (तत्.) 1. मलिन होने की अवस्था, भाव 2. अशुद्धता, अपवित्र, अशुचि 3. क्षुद्रता।

मलिनी स्त्री. (तत्.) मैली, गंदी, अपवित्र।

मलिया स्त्री. (तत्.) 1. छोटे मुँह या मिट्टी का एक बर्तन 2. चक्कर 3. एक प्रकार का खेल जिसमें जमीन पर कुछ खाने बनाकर गेटियों से खेलते हैं।

मलियामेट पुं. (देश.) 1. किसी कार्य, पदार्थ का नाश, विनाश, सर्वनाश 2. मटिया मेंट करना, मिट्टी में मिलाना।

मलीदा वि. (फा.) 1. गला हुआ, मर्दित 2. चूरमा, एक मीठा खाद्य पदार्थ 3. एक प्रकार का मुलायम ऊनी कपड़ा।

मलूक पुं. (देश.) सुंदर, मनोहर।

मलेरिया पुं. (अं.) एक प्रकार का तेज बुखार जो मच्छरों द्वारा विशिष्ट परजीवियों को रक्त में संप्रेषित करने के कारण होता है, शीत ज्वर, जूड़ी, ठंड लगकर आने वाला बुखार।

मलोल पुं. (देश.) 1. मन का दुख 2. पछतावा।

मलोलना अ.क्रि. (देश.) मलाल करना, मन में दुखी होना, पछताना।

मलोला पुं. (देश.) 1. मलाल 2. मन की तीव्र कामना जो बार-बार बेचैन करती हो, मन की व्यथा, दुख, रंज।

मल्ल पुं. (तत्.) 1. पहलवान, योद्धा, वीर 2. शक्तिशाली व्यक्ति, ताकतवर 3. प्राचीन भारत की एक शक्तिशाली जाति।

मल्ल क्रीड़ा स्त्री. (तत्.) मल्लयुद्ध, कुश्ती, पहलवानों का दंगल।

मल्लभूमि स्त्री. (तत्.) कुश्ती लड़ने का स्थान, अखाड़ा।

मल्लयुद्ध पुं. (तत्.) बाहुयुद्ध, कुश्ती।

मल्लविद्या स्त्री. (तत्.) कुश्ती लड़ने की विद्या।

मल्लशाला स्त्री. (तत्.) कुश्ती लड़ने का स्थान, अखाड़ा।

मल्लाह पुं. (अर.) नाविक, कर्णधार, केवट, मांझी।

मल्लाही स्त्री. (अर.) 1. मल्लाह का कार्य/पेशा/पद/भाव, मल्लाह संबंधी, मल्लाह का 2. एक विशेष प्रकार की तैयारी 3. नाव का भाड़ा।

मल्लिक पुं. (तत्.) धूसर रंग की चोंच और टांगों वाला एक प्रकार का हंस।

मल्लिका स्त्री. (तत्.) 1. एक प्रकार का फूल, बेला, मोतिया, मोगरा चमेली का वृक्ष/फूल काव्य. 1. एक समवर्णिक छंद जिसके प्रत्येक चरण में क्रमशः सात जगण, लघु और गुरु के योग से 23 वर्ण होते हैं 2. सुमुखी छंद 3. एक समवर्णिक छंद जिसके प्रत्येक चरण में क्रमशः रगण, जगण, गुरु और लघु (र, ज, ग, ल) के योग से आठ वर्ण होते हैं।

मल्लिका पुष्प पुं. (तत्.) बेला की जाति का एक सफेद और सुगंधित फूल, मोतिया।

मल्लिनाथ पुं. (तत्.) 1. जैनियों के 19 वें तीर्थंकर का नाम 2. संस्कृत के एक प्रसिद्ध टीकाकार।

मल्ली स्त्री. (तत्.) काव्य. मल्लिका, एक समवर्णिक छंद जिसके प्रत्येक चरण में क्रमशः आठ सगण और गुरु के योग से 25 वर्ण होते हैं। इसे सुंदरी छन्द भी कहते हैं।

मल्लू पुं. (तत्.) 1. बंदर 2. भालू।

मल्लहाना स.क्रि. (देश.) 1. मल्लाहरना 2. चुमकारना, पुचकारना।